

यान् श्रीं आय॥ यन कदल कयं सुखिकं ॥ मूर्ध्नि दल मृगकनकं ॥ मा
 यदल मायकनकं ॥ कनककदल कनककलकं ॥ कालमायदल
 मायकनकं ॥ खगकशुद्धदल कनिकनकं ॥ मूल ७ न ॥ मू
 लार्हवम्भक रजकनकावा ॥ कदलीदल माय ॥ आश्वदल जय ॥ ज
 म्बीन लसवसी ॥ जदिमदल आव ॥ कर्कटीदल तुलसी ॥ सि ॥
 मधुनरुचकसि ॥ सुवर्णताना सुमशाना ॥ नकजम्बीन कस
 कनासि ॥ सुअजम्बीनदल नानसि ॥ गर्वुजदल खर्वज ॥ दल
 हीदल दूतसि ॥ लिक्वयदल यज ॥ सयगसि ॥ बीज
 यूनदल दिनसि ॥ मातुनर्ककदल
 वयलसि

वावाहीनथदाली, वासुधैव कुटुम्बकम् ॥ म
 लालसी (सर्वथा ० ध्वजयुक्तं सर्वथा ० यिया न धा... न सर्व, सखसीय
 हिदखिरी। मलिगुलसमाकीर्ण, कुशलं गयूसि, मी॥ धाविशचमहालक्ष्मी
 काकिहयामिर्क। सुधालीयनमगान, नाजायनयमायला॥ धिक्कावमसू
 याव, धिक्काईकमकाव। कलिलंकुटदहसं, विमलीहालनामसी॥ सखदा
 थयईध्वद॥ सामधदयमायल॥ अथर्वनसमायूक, वचनानां वदका विद
 ॥ चतुर्थगसमाख्या, कल्याणकं धिर्वयुगं। हाटध्वनसहामखं, सानदंग
 गलान, जी॥ यूर्ध्वयस्त्रिमदादि, क्ववमादिगभवकं॥ सिंहासनमहादवः

गेववर्धववात्मकं। जालदहसिनावीन, वागुवीकमथकिरी॥ मनुजाया ल
 सामाई, विष्णुभवहिसर्वच॥ धिक्कायकवर्धव, धिक्काईदधधसिगीहम
 कयच, सु॥ धाकं, सर्वथावसदध्वन॥ भार्गवो कर्मसंयुक्तं, मया नीना धि
 हवकं। आगीगुगसमावस्था, काधनकं कलात्मकं॥ उयसं कर्मलक्ष्मी, मा
 याचूर्ध्वदिगंतरी। नामसावतमायूक, सत्वकं सत्वसंस्तिरी॥ वाजसावतजा
 वृत्तिगुलतयविशवनी। अथाकं यूर्ध्वयच, वदविशचसांखी॥ मखाचलः
 खनालखा, गुरुसंभायदायकं। विद्युत्तानां त्रिमयात्र यदुदकवर्धनथा
 ॥ भउस्त्रीवीजसख्यं, यनविशाममास

मखेवसुवरी॥ जड्विन्धनाधर्म जगत्तुल्यकाका
च सनांनीनीमनावरी॥ मनादुर्बलहर्मलहानलपात्रुधुनक। विषहा
लागलठुर्क। धर्वदवाधिरुर्क। वाऊमनुसमूच्याय विष्मलगरुर्नगदी।
याभायागवूलाहारी। यागलकवलंविन॥ गवाहनसमूच्याय। यतासनक
नंशुर्क। मययानननंदवर्। मीसमाधायियादी। विमूर्खइमूर्खवर्क। मान
कामागिदीयन। दधिकदीधिरुर्क। दयानादीयकाहिव॥ मसुजसुमः
यविश्वजनगसुमधुधिविनी। धिंतेल्लतवर्तयूक। आगवीसवर्तवदि॥ चः
दिकाचदुकाकिष्प। चदुमलुलहमिरी। जलिमादिगुलधुधु। शुशुआलीव

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धूपं यथायासितं स देवताय
नां दीप्यते वेद्यं गुणान् सा त्रिलोकं गीतं लक्ष्मि यतः कुरु
हन् मा लोकाय कर्तुं या ललाय ॥ ॥ धनं धूपं विधानं
ज्ञाय ॥ ॥ अगुलि गुगुलि कुरु त्रिकर्षणं सकर्णं सप्त
गण ॥ धगुलि धूपं सप्तमानां सप्तगुणं सकलं देवतां तं
व ॥ ॥ गुगुलि अगुलि श्रीखण्ड उति धनवृद्धि साखनय
व ॥ धगुलि धूपं सप्तमानां सप्तगुणं सकलं देवतां वेदां विदुः
॥ ॥ गुगुलि अगुलि कुरु नृणां श्रीखण्ड कुरु सप्तगण

साखनवृद्धि धगुलि नीव देवताय प्रिय ॥ ३ ॥ गुगुलि गण
या ॥ ॥ सिद्धास रत्नानि या ॥ ॥ देवदात्रया थमदाक महा
वृद्धया ॥ ॥ कालागुलु विष्णुया ॥ ॥ कर्षणं सप्तया ॥
वन्दनं श्रीखण्ड ननकी कुरु सिद्धास थनं विवादि
वा मिलानं अगुलि जय मास थनं निवा निवा कुरु
धवा विनि साखनया वा धूपं सप्तमानां सप्तगुणं सकलं देवतां
वदन् धूपं कुरु प्रिय ॥ ॥ हननं सिद्धास कर्षणं न
कवन्दनं लला थनं सावा सावा श्रीखण्ड कुरु थनं यवाय

नकी कर्कश धन समशाग कलिनवान धध्या सयानाम
नचिह्न व दकि नयाग मनु न धूय यमज ज ति प्रिय ॥
नवमि लाव गग नाय हा कलिनवान धध्या सयानाम
लाहा कंकम धन समशाग कलिनवान धध्या सयानाम
महा संय य धि मय जामनु न धूय व न न या ज ति प्रिय ॥
॥ जगु लि क द्या दैन वान कर्कश कलिनवान धध्या सयानाम
म शा ख लु धन समशाग सा ख जन वान धध्या सयानाम
यानाम धूय य हा उरु न या जामनु न धूय कर्कश या ज ति

प्रिय ॥ ॥ कलुनी वा कर्कश निवार नकी सा वा ३ कंकम
सा वा ३ जटा मा सी दा वा ३ कलिनवान धध्या सयानाम
कल्या लया वा ४ शा ख लु गु वा ५ सा ख न जि वा १० धध्या सयानाम
वन दय का धध्या सयानाम विद्या धनी माहि न विद्या धनी
या ज ति प्रिय ॥ ॥ गुगु लि जटा मा सि कर्कश कलु वि दा क
मानु ख ला धयानाम धनि धूय धनि स ज ति सिद्ध ॥ ॥
लंहा ज व न कट कंकम नू य के भ न समशाग ज य य या थ
ल स थ न धध्या सयानाम विना म लि धूय ना जा व धया य

सञ्जति शिद ॥ ॥ क सु न क र्क न श्री ख ७ गु गु लि न क
वन्दन त्रय मास जगु लि क म ल ल सिद्धा स न की भा न दान
दु न क क म ग्रा व त्रय न थ सि र्वा ला वन्दन सिं स न वि क ति
धन सा ख न सक र्ग स म शा ग ज गिन दू न विय थ धु या स
यना म सु ख दान न धू य गु क का बी स सि दि ल क्की र्ग जे ति ति
य ॥ ॥ यून या धू या स थ दान भा न स्या क नू ग न म दि द म द
व गु लि थ गु लि धू य धू य धू य द व या तु दि वि उ ॥ ॥
श्री ख ७ स्य न सिद्धा स सि सिं काला ठु न र्ग ता ति सिं न क व

वन्दन नि नि सा न सिं न सा क तिं स न य न सिं ग तु न सिं द व
दान व्या ल सि र्वा य ल सिं क ल्य वृ द्ध सि मा या वि ज्ञा न सि या स्य
न सि कि ति थ गु लि धू या स या ना म वृ द्धा ल धू य सक ल्य द व
यां ज ति थि य ॥ ॥ क र्क न रु ति वन्दन यून थ न ल क्की
ह लि या ज ति थि य ॥ ॥ स र्वा य वि वा ना र्ग या ज ति थि
या ॥ ॥ जिन स्या न मा जी न स्या न वून ग ल क क सु न थ अ
स र्वा व शिन क सञ्ज ति शि द ॥ ॥ द या द्वा द वृ द्धा ल धू य
य ना म क थ न दू गा क गा ति य ॥ य क धू य वृ द्धा ल धू य श्री वि

ॐ धृप. गुत्र निस्तन धृप. य त्रिवा रु धृप. विषु धृप. स्रग
लर्ध धृप. ज्ञानय या ग त्रि. या स धृप. ॥ काला गुत्र. कर्ष
न. ध धृप. महा देव या प्रिय ॥ ॥ वृ क धृप. महा माया या प्रि
य ॥ ॥ दा क. हि. संयु क ठु लि धृप. अ न द्र वि य स न व ॥ ॥
म व यां थ अ थ अ या थ म न न गु ढा अ वि क न न व या अ व स न या
अ वि न सान न क स अ नि अ ॥ ॥ मा रु नि या वि स य धृप ॥
या द क द्र या. श्री ख ण धृप. नू द व ण प्रिय ॥ ॥ द्वि ती या
क द्र या. क सु नी. धृप. वृ व ण या प्रिय ॥ ॥ तृ ती या क द्र

या. क र्ष न धृप. व ण अ या प्रिय ॥ ॥ चतु र्थ क द्र या. सि
द्र स धृप. व ण ना यि का या प्रिय ॥ ॥ पञ्च मी या धृप. श्री न.
व ण या प्रिय ॥ ॥ षष्ठी या क द्र या. वाल धृप. व ण व नि या
प्रिय ॥ ॥ सप्त मी क द्र या धृप. न न मी स धृप. व ण व या
प्रिय ॥ ॥ अष्ट मी क द्र या. क र्ष न वा ३ क सु नी वा ३
क क म वा ३ श्री न वा ४ वाल वा ५ अ ठु लि वा ६ न कि क वा ७ श्री
ख ण वा ८ ज द मा स वा ९ सा ख न व कि. ध धृप. स ना म ज य वा
न. ध धृप. लि धृप. अ ति व णि का या प्रिय ॥ ॥ नव मी क द्र

याधूय. गुगु लिधूय. उगुवधूयाधिय॥ ॥ नवगुहया
विभमधूय॥ ॥ कल्यानधूय. आदिषयाधिय॥ ॥
का० यत्र. सामयाधिय॥ ॥ गुगु लिधूय. अमानयाधि
य॥ ॥ तन्मज्जनधूय. वृहत्तयाधिय॥ ॥ सिद्धास
धूय. वृधयाधिय॥ ॥ वन्दनसिधूय. शुक्रयाधिय॥ ॥
अगुलिधूय. अनिश्चनयाधिय॥ ॥ कर्त्तु. वाकधूय. ना
द्रयाधिय॥ ॥ अगुलिधूय. कर्गुयाधिय॥ ॥ धूयासधू
य. ज्ञानयाधिय॥ ॥ श्रितियाधि. साद. मदनदल. तन

कलकिनि. सि. कयास. वनसा. वावसस. कि. सिदंत. थनस
मरु. संच. यादाव. वावसयावा. सयकावदनक. थगुलिधूय
गमयाक. सधन. थक. सविधानमद. वि. सायनाद. स. रुत. अ
दिनगुहविद्युविनायक. आदिनयु. दाअअ. निव. थगुलिधू
ययानास. साह. धनधूय. सकल्य. दालना. अ. विकलाय. अ. वृ
द्धन. तन. निद्रयतन. सा. द्रु. तन. य. द्रु. तन. थ. अ. दिन
दाल. सकल्य. य. व. स. द. ह. सा. मान॥ ॥ कयन. क. कन
क. लुन. सीन. कन्दन. गुगुलि. सि. ग. ज्ञाय. धन. क. सि.

गंधनसूत्रं किं वाचं कुंभनहा जृष्टुन न साक गथवन-
यने के भन नय के भन कष्टुन यवर्गं धन साखवनव
कुं ॥ **॥ ध्वयासरावा नि यप्रिय ॥** ॥ न साक क्षीरं तु-
कुं कूं स कुं भनहा गाविह नडाद ~~म~~ वय जिगहान कष्टु
न कयून न कि कुट नडाद लाच वडाद सि यन्न न सि वा
न जृष्टुन सिद्धास गृष्टु लि नय के सन यने के भन ॥ जथ
वासावन क सि ल वाकून दूत विय ध्वया सरावृजना
नाय स यप्रिय ॥ **॥ धन ध्वय वि धन ॥ धन दीय वि ध**

न ज्ञाय ॥ **॥ मग वियान लाक जयाय रु यिअ मग न आ स सि**
य ॥ धर्म अर्थ का म माद विअं मग न धन या नि मि लि न मग विय
सदाद माल ॥ ॥ **द्वया धन मग अन लि हा मल विकन मग अन**
ल ०० यूका विकन मग अन लि धन दा क या मग अन लि ति सि
वकन या मग अन लि ध लि सु का य ल उ द या मग अन लि यं न ध
न मग ध जय गा य का न मग विय वि धन सिय ॥ ॥ ॥ यल्य
खान या सु का न दय का ०० गा न कुं भन दय का ०० गा न ॥ ॥ याग
का न दय का ०० गा न ॥ का न दय का ०० गा न ॥ ध दा गा य का न ००
गा न दय के वि धन सिय ॥ १ ॥ लि ल न दय का द न ति सि न द

मका दनतिः ननदयका दनतिः ननदयका दनतिः नलि काल
नदयका दनतिः लो हानदयका दनतिः थखगा युका नदनतिद
यक विभन सिय ॥ ६ ॥ मग विय वं सल्लवेल स मग व. सकता
सह याक यथा सागान मा मानक. दा सें दया गु लि. मग वं विया थि
सह याय मय्. कुं मदे ॥ थलिया निमिलिन मग व. वस मग वि
न सा सना यहा दा गु लिन लक सअ निअ ॥ ॥ थिअ गु लि हाय
क ० गा नदिन. सिखान साय ह ति गा या न क त य. कु नं भन मा
अ सें गा हा सें या या अ. अ अ द या अ अ न स ल द्वा दे यि अ. थ
ल उ ह म अ य. शिन क ग य हान न कान सा. थ गु लि म अ म अ य

॥ दनति विकन मद् गु लि अ थ म अ य ॥ ॥ थं य. या त. ग स न.
या कन सा ग न. हा क का य न. कु न कि हा अ था द ० गा न दि ल म ग अ
थ न अ विकन अ ना य या ब हा अ म ग वि न सा. गा मि स अ य गु लि
न व क स अ नि अ. हिन दा कन का य न. कन उ ल्य लि अ रें गु लि.
का य न नं विकन नं म ग विय म ग अ ॥ थ न म ग वि न सा रं स स
गु हा अ थ हा अ य म य्. थं गु ० अ ॥ ॥ का व या. थं ल स. लि
क ग विकन नं म ग विय म ग अ सा न य या अ. सा य म ग अ. अ
ह नि द या अ. म ग स न सा मि खा नि य कान द या अ अ म का यि अ
सा न य या अ सा ग सा द या कान द ० अ ॥ थ ग म ग या वि चा न हा

सुतसंस्कृतम्
575
ASHA ARCHIVES

दा॥ ॥ कर्कशं च नृणां सल विकनं सत के दा अ ध्वन सत नृन स
द अया अअ स ग य विकन सत नृन स द अया स अ स ग य गा ॐ अ
ॐ गा नृन स अ अ स ग य द्वा ॐ गा नृन स स अ स ग य सत के
नृन स नि वा स अ द थ ॥ ॥ वा के न स ग द्या ग ३७० ध्वन स ग स
द्या ग १०० ध्वन स ग स ग १५ ल स स ग च के ल स ग क य का य द ल
सा ग अ च का न गा मि स अ या गु लिन न क सा य मा मा त्रि अ सूर्य अ
मे ग द वि मान स द दा अ मन ह र्ब द न दो न चि दं ता सूर्य या ला
म न द ॐ अ थु ति य हा अ द ल सिय ॥ ॥ त्रि म नि ह न य ल
या गा स न वं स वा या अ वं स हा स वि न ॐ ला व गा या भ स यूर्व

॥ नृन स स द्या या य क स द न ति न या अ सत वि या अ शि द म
द ला य स द अ अ ल सा का य सि दि श ति स न द या अ अ न सा म शि
द आ तु क स ग स लिय न क न स थ न अ म ध्वन थ न क स न क
ता न नृन स दी कि त मि सा न स य नृन या दा अ सा य ॥ ध्वन ग १०० या दी
य मि अ न ॥ ॥ स्त्रिय नि गु का न ॐ गा न द य क सा ध्वन ॐ गा न ह
ब ल लिन चि य ॐ ॐ ब म य ला सा स वा दा अ ॐ ॐ ब अ न न य नृन या
य द सह न लिन ह या अ अ उ रु न सा य अ गि क न वा या अ मून स न
य न या अ सत वि य थ गु लि र्ब ध न ल चि गा व न द्धि स सत वि यान सा
ध्वन स अ स अ अ स अ द ॐ अ म गृ द् यि अ वि द य न अ दिन

सिद्धिद्वैत ॥ धर्म वचन यादीय विधान ॥ × ॥ यत्र किं न सिद्धं न या
दत्र ति या तु कान ॥ तान दय का डा व द क र न व या धान या डा डा स ग
विय विक न न ॥ धर्म धडा शि न के या ग ॥ ॥ कु व नि न का दा द न ति या ग
न का दा द न ति कू उ वि य मान न ॥ ता ॥ डा ॥ तान ॥ ध स ग थि या डा शे
न व ॥ क व व य न थ ॥ का स ना ॥ तान व य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ का य या नि न दी य
य ग स या क ति का न व के ॥ न या ह न य ल्य का स ना न म्ना न न का य द न
ति स के थ ॥ का स ना सि धि द ॥ डा नि य द म्ना कु य ॥ ता य द ॥ तान स
ग विय थ य शे न व या थ स स ॥ अ लि म्ना म्ना थ म्ना स ॥ डा ग म्ना न य थ
य स ॥ डा न ग न सि मा या हा या थ स ॥ य न द न ति ॥ ॥ ध र्म त डा ध र्म द

कार्य सिद्धि या य या ग ॥ य न ॥ स म्ना म्ना कार्य सिद्धि या य या ग य न ॥
६ विकि ध द का र्थ सि धि या य या ग ॥ तान व य ॥ १००० य ॥ ३०० य ॥ १००
थ गु लि क थ र्म सि धि य ॥ ल क्का द य के या ग हा म ल वि क न क सु न या द
न ति द य का डा स ग विय ॥ अ थ वाल व द क र्थ न क सु न न लान का दा
य न ति द य का डा ना जा या लू र्वा स व न डि द वि ता स ग विय न स व ति
न का द यि डा ॥ द नि द्र क्का न द न ति स क सु नि श दि न व द्र का वू य ॥
य न द स डा द क्का न ना न थ न के या ग कु व न था न उ लि ना य का दा डा
द न ति द य का डा हा म न वि क न न य ॥ या ग ॥ डा ॥ ताल ता ॥ डा ॥ व ना डा
या दा न म्ना स ग विय न ना न थ नि डा ॥ ॥ व म्ना म्ना या य या ग ति सि धि

कनयागन आदादवति आदू ॐ नानकसु विजात दान समत विय ॥
मोयदु तके यात ॐ ॐ काविकेन सुगवुन आदादवति आदू ॐ नान
कसु वि कायनन दि नो ॐ ताल हनु मन याके मत विय सावन याय या
त यन काविकेनन कालेन आदादवति हाक कयन या ॐ नान ना
ज दान स ॐ ॐ न समत विय थ म द दिला के साया ॥ उवा नन या
य यात अलल विकेन हासल वूनन आदादवति ॐ सिष्ठु लिका य
वन दिला ॐ नान नाज दाल स विय मत ॥ विदे यन याय यात ॥ यत थ
प्रकालत वूनन दम कादवति सि ॐ ॐ कायनन दिला ॐ ताल दा क
समत विय भाहन याय यात ॥ हासन विकेनन अवन वूनन आदा

दवतियात कान दिला ॐ ताल नाज दान स मत विय सगुम सगु
य याय यात ॥ हासन विकेन सात वूनन आदादवति आदू कान दि
ला ॐ नान रागवतिया के मत विय ॥ नाजाय निस चिदय के नवान
के यात ॥ ॥ अवन यात त अवनन आदादवति हासल विकेनन
अवै थै रव सि सि सवा दचान आदादवति अवन आदिन दवति स
वय ॐ ताल यू १ ॥ ॐ ब कान दिला ॐ ताल थ मत या सन दया ॥
अ ॥ सा शिद ॥ रव सि हा स विय ॥ बाया थले लु लि वि अ दा का समत विय
॥ काल गुरु त आदिन स शिद दू त के समान न आदिन अ के स सा अन
याय रु लि स म ॥ अवनन मन अ या क काल स वि ब दा का समत विय

॥ अखरसयक जात साधन ता ॐ अ ॐ ताल कि सिद तया दन ति स
थदा अ व तु थ क दू ठा ल ७ मान मत वियान कदा तया न नान विकार
क याग साधन सिजन दन ति स अ व का य न या ॐ ता न ना ज्ञा दान स
७ ७ ७ न स थ न मत विय ॥ ॥ धन लि स तया ल द न का म ना ७ शि
द स शिद विद्रु ध ति न सिय ॥ ॥ ब्रह्म न आदि न खं दान आ न रा स
क मन द्वा य आ न रा स शिद व कि स सा वा स थ नि अ व न स व ७ न क
नि अ स शिद ॥ म ७ न मान आदि न ज्ञा ति हि न क ख दान रा ति ख दान
न ७ स सिय ॥ मत रा ति शि ति क या अ ज व क थ न द न सा ध्या न थि
का य य ॐ ला म द ला स द ह म मान आ क न क या अ क थ द थ

आ न सा थ अ थि थि स दान सि अ ॥ ॥ हा क व लु न क न सा ७ ७ या
का य सि धि क ॐ अ ॥ थ स का य स सि ध स त सि त सा का य न नान
म सि ध सिय थ सिय थ अ न सा का ज ना ७ ७ ॐ अ ॥ ॐ ताल ख न म द
न सा सा म ७ आदि न दू ॐ अ ॥ द न ति स द अ अ न सा म त सि द अ द
अ ह ना या द अ अ न सा मि रा या ग ज हा नि क ॐ अ ॥ मत सि ते सा य ब
सा या अ या स या द अ ह या या य ॥ ॥ ध न व द क या दी य वि धान
सिय ॥ ॥ द क्षि ण प्रा य वि ष य य ति का ल या य अ सि जन ल ॐ अ
हान द य का द न ति स मत विय ॥ ध न द क्षि ण प्रा य वि ष य या दी य
वि धान ॥ ॥ उ दु षा प्रा य वि ष य या क न नि न सिं या ला हान द य का

य. वलावल नौ गया कथनायाय. मतयायुमालनाकया अन्नसानगिन
 सिय॥ ॥ थनसुयमिदीयविधान॥ ॥ विषूयाविधानसिद्धलनकस
 नदयकादवति कुमनखगुलिसर्वकामनाविद्वयलआदिनसाधन
 नसकल्यकामनासिद्धि. मलधवनमामल. हामनविकनन विद्वयल
 सथनमतविय॥ ॥ विषूयायतिनअमनयादनतिहमतविया
 नमसिद्धकदाहृतआदिनदू. ००३॥ ॥ थनविषूयादीयविधान॥
 ॥ कालवार्थयविनक्षनसिद्धमनयादनतियन३साधनयन. अ
 गुलि. ०००॥ तावय. ०००॥ मसुखयादाअमतविय॥ ॥ थमतयाविद्रका
 य॥ ॥ थमतवियावनसमसिद्धखलामममन३. वाकनआदिनजा

तयादहैगाविद्रलेदलसाय. थगुलिअवसलससिद्धिदयिमासनाय
 जा. ००३॥ अदियादहैगावदार्थसाय. तकाव. ००३॥ साकार्यसिद्धि. रावका
 जआदिनदहैगावदार्थसाय. ॥ कागलनकुलसाकार्यमसिद्ध. सुक
 दिनजातिहीनसानसाकार्यना. ॥ कलकातनमकुनसाना. ॥ मनद
 यककागसासुखवि. ००३॥ ॥ कससुधुनसा. ॥ कससुधुनसा. ॥ मनसा. ॥ स
 गानखिदतसार्वय. ॥ दनतितयककखनसावानवि. थियजमा
 नसि. ००३॥ ॥ दतसिखादकनसा. ॥ कननकायसिद्धि. मतसितसा
 कानद. ००३॥ ॥ अगुवि. ००३॥ थिनसामनसुवथाद. ००३॥ ॥ मतसितसा
 खयाहय. ॥ कति. ००३॥ आदिनथिनसा. ॥ वाजहय. ॥ दनतिदयकलातकत

लसुतात्रयागुलिसिद्धिः यत्र २३ दत्त ति अर्थसिद्धिः याययातः यत्र १० र्वेद
तकेयातः ११ अदुतकेयातयत्र ११ ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
केयातः यत्र १००० कर्मसिद्धिः थनियानिमिलिनमतनक्षाययमानय
वनसयूतमानेः उक्तेययादाअव ११ ददतामिसागुडमहिदजात
अनागुर्यमगताः दान १३ यद्विथयाय ॥ कात्रयत्रयाः वनद्विहवि ११ व
न ॥ कयागुतिनव्यातामनुदान १३ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
नक्षायनकेः कलससथाद्विथिथकविययजमान १३ यातः दक्षिणवा
कनयातवियः दत्ततिदयकायनयायमानत्रिवायद्विधानवाकन
हाजनः निर्वोयैद्विधानमध्यम १३ तद्विवाविधानव्यमथअतसि

य ॥ ॥ धनकार्त्तवीर्यादीयविधान ॥ ॥ कालिकनञ्जनागमतवि
यायारुल्लाय ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
कर्मउजानयादाविबुलाकअनिअ १३ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
नञ्जनागमतलंरवसमतवियानकामकिरिवाभि ३ कादयाअकायमा
वादयाअ ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
का ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
क्षामय ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
अदाका ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत
दलसवनसः थलिथयसमतवियान ३ रुमदलला ११ अदुतययाययातः यत्र १०० ११ अदुत

तैय जैनः वाक्यासा ॥ अत तिल विलासित यजैनः तामनकासा ॥ क
यू तिल विलासित यजैनः हा मया ॥ सा ॥ अत विना उतयन कख भित
कन सुन सिमा ॥ अत विना सित साख ख भितः सा गवय ॥ अत सुव
किंनख भित कचः स किंन जि ॥ अत अर्कना विलासित भुटिका ॥ सा
कव जि ॥ अत ॥ दिठ विलासित सुसुत गसासः दिठला ॥ सुसुत सुत स
दजः कायला ॥ स हि व जि का सु स सुत सासः मकाला ॥ तहि व कर्क
ख भित सासः दस्यत कना ॥ मयः दाकना ॥ वकर्क नुगनना ॥ अर्दः
क्रिय ॥ अत्य यी लाः अनना ॥ कर्कट ना ॥ खा ख ज ॥ ह सा ॥ ह स
ख ज ॥ सुकन सासः दना ॥ मय सासः वना ॥ वानगी मय सासः

यान सना ॥ त्रि हि व सासः यासना ॥ अत अ वि का ॥ क वना ॥ अक सास
यदना ॥ कयू सासः कानसा ॥ अत अ क ॥ अ सना ॥ तिलि नि सासः तिलन
ना ॥ तिलि ना सासः तिलि ना वि ॥ व क सासः वा ला ॥ वि अ क लि का ॥ ख
यना वा ला ॥ को ॥ कान सना ॥ व क वा क ॥ व क ॥ त्रिव त्रिव सासः जी
व जी व ज ॥ क वा त सासः व ल व ॥ निना ॥ कर्कट सासः खाना ॥ ह स
सासः ह सना ॥ कानन स हि व ॥ वन म स ॥ या य सासः ॥ सा ॥ सि ह
सासः सि हना ॥ क स्तन सासः हि ति मग नना ॥ अर्द सासः कन स
नना ॥ गठ क ॥ गन म स ॥ व हि ॥ क स र ॥ वा डी न ॥ मि खान म व द ॥
ता य व अ थ ज ॥ वा डी न स ॥ अ व ग ल न ॥ क ॥ क द म न ॥ हा क

पुति. थकवा श्रीन सभय लृ. ॥ कनहं स. वनहम ॥ दागुह. ना
नखा. कानलुव. हाखं व. सि. न. ॥ लि. लि. य. वि. हं ग. म. स. स. अ. र. वा. ना. ॥ या
थ. ज. हं स. व. द. ह. स. ॥ स. न. ह. ॥ क. न. व. य. ॥ स. स. स. क. त. म. व. स. दि. का.
हा. वा. ॥ पु. ति. ॥ व. न. स. ॥ र. व. सि. मि. कि. न. ॥ स. स. स. क. त. व. क. सि. अ. ना. ॥
स. स. स. क. त. ज. न. का. सि. म. न. म. न. का. व. ॥ स. स. स. क. त. म. वा. ने. ख. न. ॥
क. ली. ल. क. दि. ॥ मी. न. का. क. म. का. य. ॥ स. मि. ख. मि. लि. न. व. वा.
ह. व. ला. ति. ॥ ना. ज. व. ध. ना. ज. व. द. ॥ द. व. नी. द्या. द. ॥ म. हा. दा. वा. या. ट.
ह. न. दा. ॥ म. वि. ला. लि. त. म. स. या. द. न. ॥ क. वा. य. म. स. हा. क. ना. ॥
ल. व. न. म. स. व. न. ना. ॥ ति. क. म. स. हा. द. ना. ॥ मि. व. म. स. म. क. ना. ॥

अ. र्द. व. लि. न. द. मि. श. द. क. दि. य. म. न. ॥ स. स. स. क. त. न. क. दि. का. ना. ॥
स. स. स. क. त. म. सि. क. म. का. ना. ॥ का. ल. ख. ल. स. का. ना. ॥ म. व. म. स. हा.
स. ना. ॥ क. ग. म. स. वा. न. स. ना. ॥ क. न. वि. क. म. स. व. न. ख. वि. ना. ॥ व. न. क. ल.
न. व. म. स. व. क. न. ना. ॥ स. स. स. क. त. ल. का. लि. स. य. क. म. स. क. ना.
॥ ज. म. वि. मि. लि. ता. य. म. स. द. ना. ॥ य. क. म. स. क. त. का. ला. ॥ अ. उ. के.
व. म. स. सि. का. ना. ॥ द. मि. व. क. य. मि. त. क. क. टी. अ. ज. न. गु. सि. ना. ॥ वा.
क. की. र. ल. स. ज. ल. य. ज. न. हा. ता. क. क. ॥ स. य. वि. त. य. ला. ल. क. य. का. ना.
॥ स. य. वि. त. ल. स. न. ल. हा. का. ना. ॥ दी. ना. वा. द. द. हि. ॥ गु. म्मी. य. ज. न. ज.
अ. सि. का. ना. ॥ य. ल. लि. का. य. ज. न. वा. ला. ल. का. ना. ॥ क. ठि. न. क. य. ज. न.

क कानका ना॥ सु दी र्य वृष्णा सा च रैन॥ सु दा कना॥ मूल ख निग च
रैन॥ रैन काना॥ मूल यगु रव निग च रैन॥ रवा क काना॥ मून क द्रु
दालि कादि सर्व भद्र स्वा वि मि मि त्रि य रैन॥ सु क र्ग ना य च्छा दा म
न र ता क द कान का॥ शु ल क र्ग मा सु द्रु लि सु क या ना॥ द वि त्र
ल सु य क्रि त वि ग्म ही च रैन॥ अ क पि दा रू दा॥ नै ल ग क वि ग्म ही
च रैन॥ ग न क काना॥ सु य क द व म स्या॥ गु गु लि दा॥ द व स रू ली
स नि दा॥ यु दा लि त सु अ व म म रै लि ति वा॥ वं म म रै लि त्र म
न स॥ कौ स॥ अ म य॥ दि या सा॥ अ त क म क॥ य न क॥ सु त क का
ल मा य॥ म स्या॥ सु त क ना त्र मा य॥ य न मा स॥ म म य दी म क॥

वा॥ का क मू र्ग॥ गुं मू ग॥ अ ल मा॥ न॥ स हा वृ र्ग
क उ न द॥ क ठ शि च रैन॥ द या न न॥ दृ ष्टि म क॥ सु य रा गा॥ अ व
यू वी म क॥ सा न वा सा क॥ अ म य॥ गु न द॥ उ त्या दि का म क॥ क न
म॥ वा मू क॥ य दू वा॥ अ पि दा ला व त्रि लान॥ क र्च म म॥ व दू त्रि॥
क वि का म क॥ य न का म क॥ त क र श म क॥ तु न के न॥ सु व हा दू
ल॥ सि मि॥ क द म॥ शा क दा वा॥ व पि का ष म क॥ द य के न॥ ति कि
ठी क य क च रैन॥ व क क द द या सा॥ अ र्जा जी म क॥ जी वी म क॥ थ
ल म क॥ थ ल म क॥ सु अ म रै लि म क॥ ति वा नि॥ ति क म क॥
मि थ यौ न॥ अ ति ति क म क॥ र व न मा न॥ सु अ म रै ल॥ य थ न॥

